but the subject of Central assistance for State plans is being studied in the Planning Commission and the Ministry of Finance.

EXPORT OF PALM GUR

155. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for PRODUCTION be pleased to state:

(a) the quantity of palm gur pro duced in India in the year 1954; and

(b) how much of it was exported and to which countries during the same year?

THE MINISTER FOR PRODUCTION (SHRI K. C. REDDY): (a) The production of palm gur in the country for the year 1954 is estimated: at 19,10,000 mds.

(b) Information is not available, as export statistics for palm gur are not separately maintained.

t [INDIAN PILGRIMS TO KAILASH AND MANSAROVER

कास्मीर और मानसरोवर जाने वाले भारतीय यात्री

१५६. **श्री नवाब सिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों में प्रति वर्ष कैलाश व मानसरोवर जाने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या क्या है;

(ख) क्या इस अवधि में तिब्बत में किन्हीं यात्रियों को परेशान किया गया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस परेशानी को हटाने के लिये सरकार ने क्या कारवाई की ?

156. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of Indian pilgrims who visited Kailash and Mansarover during each of the last five years;

(b) whether during this period any pilgrims were harassed in Tibet; and

(c) if so, what action was taken by Government to stop this harassment?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): क, ख और ग. उत्तर प्रदेश सरकार से मिले आंकड़ों के मुताबिक १९५२, १९५३, १९५४ में क्रमशः ३१६, २९३ और ११८३ तीर्थयात्री कैलाश और मानसरोवर को गये। १९५२ से पहले के सही आंकड़े नहीं मिले हैं ।

तीर्थयात्रियों की परेशानी के बारे में हमारे पास कोई रिपोर्ट नहीं आई है । यात्रियों को सरहदी जांच चौकियों पर मामूली जांच के बाद जाने दिया जाता है । पश्चिमी तिब्बत में भारतीय व्यापारी एजेन्ट, यात्रियों के हितों की देखभाल करता है ।

t[THE PRIME MINISTER AND MINISTER FOR EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU) r (a), (b) and (c). According to the figures furnished by the State Government 316, 293 and 1,183 pilgrims went to Kailash and Mansarover during the years 1952, 1953 and 1954 respectively No authentic figures prior to 1952 are available.

No reports regarding harassment of pilgrims have been received by us. The pilgrims are allowed to travel after normal scrutiny at the border checkposts. The Indian Trade Agent in Western Tibet looks aftor the interests of our pilgrims.]

दिल्ली में १९५५ में होने वाला भारतीय उद्योग मेला

१५७. **श्री नवाब सिंह चौहान**: क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'फेडरेशन आफ इंडियन चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज' की ओर से इस वर्ष दिल्ली में अक्तूबर के महीने में जो भारतीय उद्योग मेला होने वाला है, उसकी व्यवस्था करने में सरकार की जिम्मेदारी कितनी होगी;

(ख) सरकार का इस आयोजन में कितनी आर्थिक और अन्य प्रकार की सहायता देने का विचार है; और

(ग) इस मेले की मुख्य विशेषताएं **क्या** होंगी ?